

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME  
(BDP PHILOSOPHY)**

**Term-End Examination**

**December, 2017**

**00373**

**ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY**

**BPY-007 : ETHICS**

*Time : 3 hours*

*Maximum Marks : 100*

- 
- Note :**
- (i) *Answer all five questions.*
  - (ii) *All questions carry equal marks.*
  - (iii) *Answer to question no. 1 and 2 should be in about 400 words each.*
- 
- 

1. Examine the relation between ethics and politics in the philosophy of Plato. 20

**OR**

Explain the fundamental principles of Kantian ethics. 20

2. Describe the ethical teachings of Jainism and Buddhism. 20

**OR**

Evaluate the importance of Raja Ram Mohan Roy in reforming the moral attitude of Hinduism. 20

3. Answer any two of the following in about 200 words each :
- (a) "Human history may be viewed as a journey in moral experience". Explain. 10
  - (b) What is natural moral law ? Explain its importance. 10
  - (c) Debate on the moral aspects of Euthanasia. 10
  - (d) Discuss terrorism as an ethical problem and suggest solutions to overcome terrorism. 10
4. Answer any four of the following in about 150 words each :
- (a) What is the scope of ethics ? 5
  - (b) What is "principle of mean" according to Aristotle ? 5
  - (c) Explain the categories of hedonistic calculus. 5
  - (d) What is humanization of knowledge according to Gandhi ? 5
  - (e) Explain briefly the place of virtue in the Muslim tradition. 5
  - (f) How did Aquinas perceive suicide ? 5
5. Write short notes on any five of the following in about 100 words each :
- (a) Summum bonum 4
  - (b) Stoic ethics 4
  - (c) Svadharma 4
  - (d) Manusmriti 4
  - (e) Practical Vedanta 4
  - (f) Moral Dilemmas 4
  - (g) Indeterminism 4
  - (h) Fundamentalism 4
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम  
( बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र )  
सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र  
बी.पी.वाई.-007 : नीतिशास्त्र

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

- नोट : (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।  
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।  
(iii) प्रथम एवं द्वितीय प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. प्लेटो के दर्शन में नीतिशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र के मध्य सम्बंध का परीक्षण कीजिए। 20

अथवा

- कांट के नीतिशास्त्र के आधारभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए। 20

2. जैन दर्शन एवं बौद्ध दर्शन की नैतिक शिक्षाओं का वर्णन कीजिए। 20

अथवा

- हिन्दू धर्म की नैतिक प्रवृत्ति को सुधारने में राजा राम मोहन राय के महत्व का मूल्यांकन कीजिए। 20

3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।
- (a) “मानव इतिहास को नैतिक अनुभव की यात्रा के रूप में समझा जा सकता है” व्याख्या करें। 10
- (b) प्राकृतिक नैतिक नियम क्या है? इसके महत्व की व्याख्या कीजिए। 10
- (c) इच्छा मृत्यु के नैतिक पक्षों पर चर्चा कीजिए। 10
- (d) एक नैतिक समस्या के रूप में आतंकवाद की समस्या पर चर्चा करें तथा आतंकवाद की समस्या के समाधान के लिए सुझाव प्रस्तुत करें। 10
4. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।
- (a) नीतिशास्त्र का विषय क्षेत्र क्या है? 5
- (b) अरस्तू के अनुसार “मध्यम मार्ग सिद्धान्त” अथवा “स्वर्णीम मार्ग” क्या है? 5
- (c) सुखवादी कलन की श्रेणियों की व्याख्या करें। 5
- (d) गाँधी के अनुसार ज्ञान के मानवीकरण से क्या तात्पर्य है? 5
- (e) मुस्लिम परम्परा में सदगुण के स्थान की संक्षिप्त व्याख्या करें। 5
- (f) एक्वीनास आत्महत्या को कैसे देखते हैं? 5

5. किन्हीं पाँच प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

- |                        |   |
|------------------------|---|
| (a) सर्वोच्चशुभ        | 4 |
| (b) स्टोइक नीतिशास्त्र | 4 |
| (c) स्वधर्मा           | 4 |
| (d) मनुस्मृति          | 4 |
| (e) व्यवहारिक वेदान्त  | 4 |
| (f) नैतिक द्वन्द्व     | 4 |
| (g) अनिर्धारणवाद       | 4 |
| (h) आधारभूतवाद         | 4 |
-